आज का पुरुषार्थ 25 Oct 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"समय के सूक्ष्मता को पहचानते हुए हमें स्वयं को ऐसा योग्य बनाये ताकि .. सही समय आने पर हम अन्य आत्माओं को मदद कर सके "*

नववर्ष की आप सभी को बहुत बहुत मुबारक हो। सभी ने **दिवाली** मनाई, **धनतेरस** भी मनाई। धन तो बाबा ने अपने बच्चों को जितना दिया है, उतना संसार ओई किसी के पास नहीं है।

भाग्य-विधाता ने सम्पूर्ण भाग्य देकर हमें बहुत **भाग्यवान** बना दिया। सबसे बड़ा धन तो यह है, स्वयं भगवान हमारे हो गये।

और उसने ज्ञान का खजाना, **शक्तियों का, गुणों का, संकल्पों का, दुआओं का, खुशियों का** यह सब खजाने देकर हमें बहुत धनवान बना दिया है। इसलिए दिल से हम कहेंगे .. हम विश्व में सबसे बड़ा धनवान है।

क्योंकि आज के समय धन होते हुए भी मनुष्य कंगाल, वेचैन, अशान्त, अनिद्रा का शिकार रहता है। और बाबा ने तो हमें कितना सुख दिया!

हर वर्ष हम आगे बढ़ते जा रहे है। वर्ष पर वर्ष बीतते जा रहे है। हमारे **सुखों** में दिन बीतते है। हमें पता ही नहीं चलता कि साल बीतने को आया।

हम नये वर्ष की कुछ planning कल ले। नये उमंगों के साथ, नये संकल्पों के साथ, नये लक्ष्य के साथ, नई धारणाओं के साथ। अपने में कोई नवीनता लाते हुए, कोई पुराना पन छोड़ते हुए हम आगे बढ़ेंगे।

इधर समय तेजी से समीप आता जा रहा है। हम सब जानते है। जो **समझदार** है, **बुद्धिमान** है, जिनके पास **सूक्ष्म बुद्धि** है, ईश्वरीय बुद्धि है। वह समय के सूक्ष्मता को अवश्य पहचान रहे होंगे।

अगले समय न केवल भयानक होंगे, लेकिन साथ साक्षात्कार कराने वाले भी होंगे। **साक्षात्कार** की धूम भी मचेगी। एक ओर संसार पिषता जायेगा। दूसरी ओर अमृत की वर्षा होगी। वरदानों की वर्षात भी होती रहेगी।

तो हमें अपने को इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए **योग्य** बनाना है कि →

हमारा सम्पूर्ण प्रकाश संसार से अज्ञान के अंधकार को नष्ट करेगा। हमारी शक्तियाँ निर्वल आत्माओं को बल देगी। हम जिन जिन **वरदानों** से सजेंगे उनके द्वारा महान सेवायें हमसे होंगे।

तो अब सभी भाई बहनें बहुत अच्छा **पुरुषार्थ** करेंगे। ढीलेढाले पुरुषार्थ का समय अब बीत चुके। सुस्ति का समय भी अब नहीं रहा। अब जब भगवान ने पढ़ाया है, highest education दी है, exam तो होंगी। तो अब हमें exam में full pass होना है। Maximum नम्बर लेना है।

और दुसरों को मदद कर सके, ऐसा हमें भरपूर होना है। और एकबार पुनः **नववर्ष** की हार्दिक बधाइयाँ हो।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org